www.a2zpapers.com

2316 60

Class – B.A. IV Sem

Subject – Elective Hindi

Paper- उपन्यास, नाटक और सैद्धान्तिकी

Time Allowed : 3 Hours Maximum Marks : 100

भाग-क

नोट :- **निम्नलिखित प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग पाँच पंक्तियों में दें।**

1. 'अक्ल पर पत्थर पड़ना' मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग करें।
2. 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' लोकोक्ति का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग करें।
3. 'एक पंथ दो काज' लोकोक्ति का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग करें।
4. उपन्यास की कोई दो परिभाषाएं लिखें।
5. नाटक के पात्र कितने प्रकार के होते हैं?
6. 'निर्मला' उपन्यास का प्रमुख पात्र आप किसे मानते हैं और क्यों?
7. 'निर्मला' उपन्यास का उद्देश्य पाँच पंक्तियों में स्पष्ट करें।
8. प्रेमचन्द्र के उपन्यासों के नाम लिखें।
9. 'कोणार्क' नाटक का प्रमुख पात्र कौन है एवं क्यों?
10. 'कोणार्क' नाटक का वातावरण कैसा है, स्पष्ट करें। 10x2=20

खण्ड-ख

नोट :- **निम्नलिखित में से किन्ही चार गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करें। प्रत्येक प्रश्न दो पृष्ठों तक सीमित हो।**

1. लेकिन निर्मला को न जाने क्यों तोताराम के पास बैठते और हंसने बोलने मे संकोच होता था। इसका कदाचित यह कारण था कि अब तक ऐसा ही

www.a2zpapers.com

www.a2zpapers.com

एक आदमी उसका पिता था, जिसके सामने वह सिर झुकाकर, आँख चुराकर निकलती थी अब इसी अवस्था का एक आदमी उसका पति था जिसे वह प्रेम की वस्तु नहीं, सम्मान की वस्तु समझती थी।

अथवा

2. अम्मा जी, इस अभागे के लिए आपको व्यर्थ इतना कष्ट हुआ। मैं आपका स्नेह कभी भी न भलूंगा। ईश्वर से मेरी यही प्रार्थना है कि मेरा पुनर्जन्म आपके गर्भ से हो, जिससे मैं अपने त्रपण से उत्रपण हो सकूं।

अथवा

3. और अब ?

महाशिल्पी विशु की निखरी हुई कला का अभूतपूर्व चमत्कार भगवान् सूर्य का जगमगाता हुआ पुण्यधाम -

कोणार्क -

पूर्वी सागर के तट पर उदित हो रहा है।

बारह सौ शिल्पियों और मजदूरों का

बारह बरस की लम्बी साधना

और कठोर मेहनत के बाद

विशु की विराट् कल्पना साकार हो चली है।

हां ------- विराट् कल्पना।

अथवा

4. देव, झुरमुट की ओट में चहकने वाले पक्षी का स्वर सर्वथा हर्ष-गान ही नहीं होता । आपको क्या मालूम कि उस जय-जयकार के पीछे हाहाकार चुपचाप सिसक रहा था।''

अथवा

www.a2zpapers.com

www.a2zpapers.com

नहीं यह क्रूर काल का ह्रास,

नहीं क्षण भंगुरता का वास,

प्रणय का नहीं करुण उच्छवास,

किन आशाओं का अवसान –

नहीं खण्डहर बन रोता है।''

अथवा

6. पर यह कौन जानता था कि यह सारी लीला विधि के हाथों रची जा रही है। जीवन रंगशाला का यह निर्दय सूत्रधार किसी अगम गुप्त स्थान पर बैठा हुआ अपनी जटिल क्रूर क्रीड़ा दिखा रहा है। यह कौन जानता था कि नकल असल होने जा रही है, अभिनय सत्य का रूप ग्रहण करने वाला है। 6×4=24

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो पृष्ठों में दें।

1. 'मंसाराम' की चरित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालें।
2. 'निर्मला' उपन्यास के उद्देश्य पर प्रकाश डालें।
3. 'निर्मला' उपन्यास की भाषा शैली पर विचार करें।
4. 'कोर्णार्क' नाटक के पात्र धर्मपद के चरित्र पर प्रकाश डालें।
5. उपन्यास के प्रकार पर विचार करें।
6. नाटक के तत्वों पर प्रकाश डालें। 6×4=24

खण्ड-ग

नोट :- निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों का उत्तर पांच पृष्ठों में दें।

www.a2zpapers.com

www.a2zpapers.com

1. 'निर्मला' उपन्यास की तात्विक समीक्षा करें।

2. 'निर्मला' के चरित्र पर प्रकाश डालें।

3. 'कोणार्क' नाटक की तात्विक समीक्षा करें।

4. उपन्यास की परिभाषा दें एवं इसके तत्वों पर प्रकाश डालें। 16×2=32

****

www.a2zpapers.com

www.a2zpapers.com